Om Tat Sat B.B. Ashram
Bhakti Ashram Rewari

गरीबों का दुःख ईश्वर का दुःख है।
और गरीबों की सेवा ईश्वर की सेवा है॥

नेत्र सुधारक समित्ति रिवाड़ी

THE BLIND RELIEF ASSOCIATION.

की

प्रथम रिपोर्ट

प्रकाशक

भक्त नन्दकिशोर जनरल मैनेजर
ब्लाईन्ड रिलीफ ऐसोसियेशन
रिवाड़ी।

सन् १९३३

नेत्र सुधार

परम पिता परमात्म
असीम कृपासे मनुष्यों में
और वह सत् पथ का अ
कीर्ति और आगे जन्म में

नेत्र सुधारक समिति
और भावों को कार्य रू
१६३३ ई० को रिवाड़ी में
स्थिति में जो कार्य करके
आस पास के शहरों, गां

इस सभा का मुख्य उद्दे
के पालन निमित्त रिवाड़ी
के लिये आंखों के बीमारी
संख्या में बीमार आये।
वाले इस अवसर पर आकर
और फिर ३ अप्रेल सन् १६
बना गये जिनको
सुर्मा की आवश्यकता
सभा उनको इस शु
करने के लिए

॥ ओ३म् ॥

नेत्र सुधारक समिति रेवाड़ी

की

प्रथम रिपोर्ट

परम पिता परमात्मा को कोटि कोटि धन्यवाद है कि जिसकी असीम कृपासे मनुष्यों में शुभ संकल्प और शुभ भाव पैदा होते हैं और वह सत् पथ का अवलम्बन करता हुआ इस जग में यश और कीर्ति और आगे जन्म में भी शुभ गति को प्राप्त होता है।

नेत्र सुधारक समिति भी ऐसे ही महानुभावों के शुभ विचारों और भावों को कार्य रूप से परिणित करने के लिए ३ मार्च सन १९३३ ई० को रिवाड़ी में स्थापित हुई और इस सभा ने थोड़े दिन की स्थिति में जो कार्य करके दिखाया उसको रिवाड़ी की जनता और आस पास के शहरों, गांवो के सज्जन भली प्रकार से जानते हैं।

इस सभा का मुख्य उद्देश्य अंधों की सहायता करना है उस उद्देश के पालन निमित्त रिवाड़ी में २६ मार्च सन १९३३ ई० को चिकित्सा के लिये आंखों के बीमारों का एक मेला किया। जिसमें एक बड़ी संख्या में बीमार आये। राय बहादुर डाक्टर मथुरादास जी मोगा वाले इस अवसर पर आकर ११६ स्त्री पुरुषों की १६८ आंखें बना गये और फिर ३ अप्रेल सन १९३३ ई० को १२० स्त्री पुरुषों की १८६ आंखे बना गये जिनको चश्मा की आवश्यका थी उन्हें चश्मा और जिन्हें सुर्मा की आवश्यका थी उन्हें सुर्मा प्रयोग में लाने को बता गये। सभा उनको इस शुभ कार्य्य के लिये अपना अमुल्य समय देकर धर्मार्थ करने के लिए धन्यवाद देती है और उनके यश और कीर्ति के लिये

परमात्मा से प्रार्थना करती है बीमारों की देख रेख के लिय डाक्टर साहब अपने कम्पाऊंडर ला० पन्नालाल, व लाला हंसराज को रक्खा जिन्होंने बड़े प्रेम के साथ रात दिन मन लगा कर काम किया बीमारों की ऊपरी सेवा का काम स्वयं सेवकों तथा स्वयं सेविकाओं ने किया पेशाब और पाखांना तक भी उन्होंने उठाया जिस परिश्रम और हार्दिक भाव से उन्होंने काम किया उसका अनुमान बीमारों की आशीर्वादों को सुनकर देखने वाला व्यक्ति कह सक्ता है।

पहली बार की सवा का काम श्री भगवतभक्ति आश्रम रिवाड़ी के ब्रह्मचारियों और संन्यासियों ने हिन्दु सेवा समिति चर्खी दादरी के वालन्टीयरों ने और अहीर हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने बड़े प्रेम से किया शहर रिवाड़ी से भी पण्डित जगन्नाथ प्रशाद, व लाला श्याम बहादुर श्री हीरालाल जाङ्गिड जी ने बड़े प्रेम से काम किया स्त्री बीमारों की सेवा का काम दोनों बार आश्रम की देवियों ने बड़े प्रेम भाव के साथ किया, दूसरी बार का पुरुष बीमारों की सेवा का काम आश्रम के ब्रह्मचारियों और सन्यासियों के अतिरिक्त शहर रिवाड़ी के भी सज्जनों ने बड़ा अच्छा किया, जिनमें लाला ज्वाला प्रशाद जी की सेवा सबसे अच्छी और बहुत सराहनीय थी उन्होंने तो सेवा में लीन होकर अपने खाने पीने तथा सोने के समय का भी कोई ख्याल नहीं किया बाबू मुरलीधर, व पं० शान्ति स्वरूप भार्गव, रामपुरा के बालमुकन्द जांगिड़ ने भी प्रशंसा के योग्य काम किया महाशय भगवान दास जी ने भी चश्मे बहुत थोड़ी कीमत पर देकर सभा की मदद करी बाबू भगवान दास जी सुपरन्टेन्डेन्ट वाटर वर्कस रिवाड़ी ने सभा की मदद इस तरह से की कि उन्होंने धर्मशाला में पानी का बड़ा अच्छा प्रबन्ध करदिया। स्वयम् सेवकाओं में हम आश्रम की देवियों को धन्यवाद देते हैं कि जो बीमार स्त्रियों की सेवा अपनी माता के समान जान कर करती थीं रातको जागती थीं ताकि

सभा के आय व्यय सामान, बीमारों की तफसील इत्यादि बातें इसी रिपोर्ट में छपवादी हैं ताकि सब सज्जन देखलें यदि कोई गलती हो तो उसको क्षमा करके इस मेला के जनरल मैनेजर को सूचित करें और भी इस काम के बारे में शुभ सलाह देने की कृपा करें।

भवदीय—नन्दकिशोर

जनरल मैनेजर

बिलाइन्ड रिलीफ ऐसोसियेशन रिवाड़ी।

अतिया व चन्दा और सज्जनों से।

ला० मेलाराम जी भिवानी	६६-०-०
राव बहादुर राव बलवीर सिंह जी रामपुरा रिवाड़ी	५१-०-०
राय बहादुर ला० मक्खनलाल विस्वेदार रिवाड़ी	५०-०-०
श्री राम बाबू जी, शिकोहाबाद	५०-०-०
चन्दा देहली से मार्फत महात्मा दयानन्द जी	४७-०-०
रायसाहब पं० बिहारीलाल भार्गव आनरेरी मजिस्ट्रेट रिवा०	३१-०-
सेठ [illegible]जी उस्मान गनी आनरेरी मजिस्ट्रेट रिवाड़ी	३१-०-०
भगत नन्द किशोर चर्खी दादरी	३१-०-०
श्री ठठेरा पञ्चायत रिवाड़ी	३०-०-०
ला० मुकन्दी लाल जी चिड़ीपाल भिवानी	३०-०-०
लाला पोहकर मल बालाराम जी रिवाड़ी	२५-०-०
लाला सांवत राम गुलाबराय जी रिवाड़ी	२५-०-०
पं० माधो प्रसाद भार्गव रिवाड़ी	२५-०-०

लाला रामलाल मनसुखराय जी रिवाड़ी	२५-०-०
ला० रामदयाल जौहरीमल जी रिवाड़ी	२५-०-०
श्रीमती द्रोपदी देवी आश्रम रिवाड़ी	२०-०-०
श्रीमती रामचन्द्री देवी आश्रम रिवाड़ी	१५-०-०
श्री तुलसीराम जाँगिड़ गंगायचा	१३-०-०
लाला जानकी दास कालूराम जी रिवाड़ी	१२-०-०
खांसाहब सय्यद फिदाहुसेन जाफरी रिवाड़ी	११-१४-
लाला बीजराज जीतमल जी रिवाड़ी	११-०-०
लाला सांवलराम रामजस जी रिवाड़ी	११-०-०
राव साहब लाला सुन्दर लाल जी रिवाड़ी	११-०-०
लाला हरप्रशाद कन्हैयालाल लोइया रिवाड़ी	११-०-०
मीर करार हुसन साहब तहसीलदार रिवाड़ी	१०-०-०
श्री अख्तर हुसन डिप्टी कमिशनर साहब गुड़गांवा	१०-०-०
लाला गुरबक्स नेतराम रस्तगी देहली	६-०-०
लाला मारीमल अग्रवाल देहली	६-०-०
लाला श्री गोपाल किशोरीलाल जी रिवाड़ी	६-०-०
लाला तुलसीराम नन्द किशोर रिवाड़ी	६-०-०
चौधरी बलराम माली रिवाड़ी	६-०-०
लाला रामदयाल मुरलीधर बजाज रिवाड़ी	६-०-०
श्री हीरालाल जी जांगिड़ रिवाड़ी	६-०-०
लाला जौसीराम दीवानसिंह बज़ाज रिवाड़ी	६-०-०
श्री भींवा भगत रामपुरा	६-०-०
श्री कृपाराम जाँगिड़ रिवाड़ी	६-०-०
एक गुप्त दानी	६--०
श्री करन सिंह जी की कोआप्रेटिव-स्टोर्ज रिवाड़ी	६-०-०
सरदार रनवीर सिंह जी नाज़िम साहब नारनौल	६-०-०

श्री हैदर बख्श यासीन पल्लेदार रिवाड़ी	५-०-०
ला० विशनस्वरूप गौरी प्रसाद जी रिवाड़ी	५-०-०
ला० श्योबक्स बीजराज जी रिवाड़ी	५-०-०
ला० रामलाल रामकिशन जी रिवाड़ी	५-०-०
ला० औंकारदास ईश्वरी प्रशाद जी रिवाड़ी	५-०-०
ला० प्यारेलाल मनोहर लाल रिवाड़ी	५-०-०
पं० रामजीवन रामदयाल रिवाड़ी	५-०-०
ला० प्रशादाराम कोड़ी लाल वैश्य भिवानी	५-०-०
ला० लेखराम रामकिशन जी रिवाड़ी	५-०-०
श्री डाक्टर मूलचन्द, संगरूर	५-०-०
खां साहब अब्दुल्ला खां रिवाड़ी	५-०-०
चौधरी छाजूराम भजन लाल रिवाड़ी	४-०-०
ला० जगन्नाथ रामदत्ता रिवाड़ी	३-०-०
ला० चूनीलाल रामनारायण रिवाड़ी	३-०-०
मिस्टर जी न्यूटन एल फोरमैन रिवाड़ी	३-०-०
कप्टिन रामनारायण सिंह कोसली	३-०-०
ला० मेदाराम लोइया रिवाड़ी	३-०-०
मिस्टर बोकर ट्रैफिक इन्स्पेक्टर रिवाड़ी	३-०-०
ला० नानगराम हरजसराय नारनौल	३-०-०
२३ सज्जनो से पृत्येक से २-०-०	४६-०-२
लोको स्टाफ से	२-१४-०
२ सज्जनों से पृत्येक से १-४-०	२-८-०
८१ सज्जनों से पृत्येक से १-०-०	८१-०-०
	६३७-६-३

चन्दा मेंम्बरों से

श्री बालमुकुन्द जांगिड् रामपुरा		६-०-०
मोहम्मद हमीद् अली पी० डब्ल्यू. इन्सपेक्टर रिवाड़ी		५-०--
महर्षि शिवदेव शरण भार्गव	,,	३-०-०
ला० गिरधरलाल जी	,,	३-०-०
ला० प्यारेलाल जी	,,	३-०-०
ला० मक्खनलाल वकील	,,	३-०-०
ला० लखमीचन्द शराफ़	,,	३-०-०
ला० छाजूराम रूस्तगी	,,	३-०-०
हाजी उस्मान गनी आनरेरी मजिस्ट्रेट	,,	३-०-०
महाशय भगवान दास जी	,,	३-०-०
खां साहब डिप्टी सय्यद फिदा हुसेन जाफरी	,,	३-०-०
खां साहब अब्दुल्ला खां	,,	३-०-०
ल० हरिचन्द हेडमास्टर दस्तकारी स्कूल	,,	३-०-०
ला० गिरधारीलाल जी	नारनौल	३-०-०
ला० मांगीलाल भगवानदास जी	,,	३-०-०
ला० देवी दयाल संगई	,,	३-०-०
ला० रामजी दास रिटायर्ड स्टेशन मास्टर नारनौल		३-०-०
बाबू नेतराम गुडस क्लार्क	,,	३-०-०
पं० श्रीराम जी वकील	,,	३-०-०
श्री मंजूर अलीखां वकील	,,	३-०-०
चौधरी चेतराम जी वकील	,,	३-०-०
		६८-०-०

	६-०-०
...रिवाड़ी	५-०-०
	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
,,	३-०-०
	३-०-०
,,	३-०-०
,,	३-०-०
,,	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
	३-०-०
...रनौल	३-०-०
,,	३-०-०
,,	३-०-०
,,	३-०-०
,,	३-०-०
	६८-०-०

चन्दा बीमारों से।

१	बीमार से				८-०-०
१	बीमार से				७-०-०
६२	बीमारों से	प्रत्येक से	६-०-०	के हिसाब	३७२-०-०
३	,,	,,	५-०-०	,,	१५-०-०
४	,,	,,	४-०-०	,,	१६-०-०
२४	,,	,,	३-०-०	,,	७२-०-०
२६	,,	,,	२-०-०	,,	५२-०-०
२५	,,	,,	१-०-०	,,	२५-०-०
१४६					५६७-०-०

६३ बीमार बिल्कुल ही धर्मार्थ रहे जोकि बहुत ही गरीब थे बहुत से बीमारों को तो ओढ़ने बिछाने के कपड़े भी देने पड़े यह कपड़े रिवाड़ी के निम्न लिखित सज्जनों से आये थे।

लाला लखमी चन्द बज़ाज़
लाला जौंखीराम दीवानसिंह बज़ाज़
लाला प्यारे लाल बज़ाज़
लाला मुरली धर बज़ाज
लाला जानकीदास कालूराम जी

इनको हम धन्यवाद देते हैं।

नकशा बीमारों का बलिहाज मजाहिब स्त्री पुरुष व रिहाइश के।

आप्रेशन दो बार हुआ	तादाद बीमार	हिन्दू	मुसलमान	पुरुष	स्त्री	शहर रेवाड़ी के	बाहर के	तादाद आंख बनाई	कैफियत
पहली बार	११९	१०८	११	६८	५१	२७	९२	१६८	
दूसरी बार	१२०	१०९	११	६८	५२	१४	१०६	१८१	
कुल बीमार	२३९	२१७	२२	१३६	१०३	४१	१९८	३४९	

अत्तये और चन्दा से दान
चन्दा मेम्बरों से
चन्दा बीमारों से
१ पौण्ड बोरिक ऊल औ
आदमी की मज़दूरी का
हिन्दू सेवा समिति खर्च
सामान खुराक।
श्री भक्त नन्द किशोर जी
खुराक और उनके आदमियों
सामान खुराक बचा सो
ला० ज्वाला प्रशाद जी से
दवाई बिकी

कुल आय

अत्तये और चन्दा से दान	९७९-६-३
चन्दा मेम्बरों से	६८-०-०
चन्दा बीमारों से	५६७-०-०
१ पौंण्ड बोरिक ऊल और २ रोज़ की एक आदमी की मज़दूरी का	१-१४-०
हिन्दू सेवा समिति चर्खीदादरी से कीमत सामान खूराक।	४-१४-६
श्री भक्त नन्द किशोर जी से कीमत सामान खूराक और उनके आदमियों के कभी २ के खाने की	३-९-६
सामान खुराक बचा सो वेचा	९-८-०
ला० ज्वाला प्रशाद जी से क़ीमत दूध	०-८-०
दवाई बिक्री	०-४-९
	१६३५-१-०

कुल व्यय

१. स्टेशनरी खर्च	१४-४-३
१. प्रचार व छपाई	५१-७-०
२. चिट्ठी तार खर्च	२५-१५-६
३. तनख्वाह मज़दूरी खर्च	१६७-५-२
४. रसोई खर्च ईन्धन, व रोशनी हंडी मटके आदि	४२४-८-६
स्टोर खर्च	१९५-०-३
५. पट्रोल, रेल किराया तांगा भाड़ा कुली फलादि डाक्टर साहब उनके कम्पाउण्डर और उनको लिवाने के लिये आदमियों के आने जाने में खर्च।	२१३-१-३
६. कम्पाउडरों को ईनाम तथा उनकी सेवा बदले	११६-७-६
७. दवाई रूई पट्टी तथा चश्मा खर्च	२६१-८-३
८. चारपाई किराया और सुधरवाई	४४-६-६
९. खोई हुई चीज़ों की क़ीमत	१५-७-६
१०. खेरीज खर्च	१६-३-६
११. भूल हिसाब में	०-१५-०
	१६०६-१४-३
श्री रोकड़ी बाक़ी बचे	२८-२-६
	१६३५-१-०

	१४-४-३
	५१-७-०
	२५-१५-६
	१६७-५-३
आदि	४२४-८-६
	१९५-०-३
कुली	
ाउएडर	
यों के	
	२१३-१-३
ा बदले	११९-७-६
	२६१-८-३
	४४-६-६
	१५-७-६
	१६-२-६
	०-१५-०
	१६०६-१४-३
	२८-२-६
	१६३५-१-०

सभा के कार्य कर्ताओं के नाम।

प्रधान– कप्तान राव बहादुर राव बलवीर सिंह जी ओ. बी. ई. ऐम. ऐल. सी. जागीरदार रामपुरा रिवाड़ी।

उप प्रधान–खाँ साहब सय्यद फिदाहुसेन जाफरी रिटायर्ड डिप्टी सुप्रन्टेन्डेन्ट पुलिस रिवाड़ी।

उप प्रधान–राय बहादुर लाला मक्खन लाल विस्वेदार रिवाड़ी।

मंत्री– कन्हैया लाल कागज़ी, रिवाड़ी।

उपमंत्री– भक्त नन्दकिशोर जी भगवद्भक्ती आश्रम।

कोषाध्यक्ष–पं० माधोप्रशाद भार्गव म्युनिस्पिल कमिश्नर रिवाड़ी

Om

Shri Bhagawad Bhakti

Ashram Rampura

Rewari

मुद्रकः-भूमानन्द ब्रह्मचारी "भक्ति प्रेस" श्री भगवद्भक्ति
आश्रम रामपुरा रेवाड़ी।